

---

Pratiritvam Pushpena Shivarchanopadesham

---

प्रतिरित्वां पुष्पेण शिवार्चनोपदेशम्

---

Document Information



---

Text title : Pratiritvam Pushpena Shivarchanopadesham

File name : pratiRRitvAMpuShpeNashivArchanopadesham.itx

Category : shiva, shivarahasya, upadesha, advice

Location : doc\_shiva

Transliterated by : Ruma Dewan

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | mahAdevAkhyah ekAdashamAMshaH | adhyAyaH 26 | 61-65||

Latest update : October 29, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 2, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

## प्रतिऋत्वां पुष्पेण शिवार्चनोपदेशम्



(शिवरहस्यान्तर्गते महादेवारव्ये)

ज्ञानं लब्ध्वा शिवमुखात्स तत्रैव विमुच्यते ।

वसन्ते किंशुकैः पूज्य दमनैर्मदनार्दनम् ॥ ६१ ॥

गोष्ठोऽष्टफलमाप्नोति ग्रीष्मेऽपि च महेश्वरि ।

मल्लिकाभिः समभ्यर्च्य नरमेधफलं लभेत् ॥ ६२ ॥

वर्षासु कुटजैः पूज्य शिवं सत्रफलं लभेत् ।

शरत्सु च महादेवं पारिजातैः समर्चयेत् ॥ ६३ ॥

गवामयनयज्ञस्य फलं लब्ध्वा विमुच्यते ।

उमाकान्तं च हेमन्ते मन्दारैश्च समर्चयेत् ॥ ६४ ॥

कर्णिकारैः सोऽग्निचित्यक्रतोः फलमवाप्नुयात् ।

शिशिरे करवीरैश्च सितरक्तैः समर्चयेत् ॥ ६५ ॥

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते प्रतिऋत्वां पुष्पेण शिवार्चनोपदेशं सम्पूर्णम् ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । महादेवारव्यः एकादशमांशः । अध्यायः २६ । ६१-६५ ॥

- .. shrIshivarahasyam . mahAdevAkhyah ekAdashamAMshaH . adhyAyaH 26 . 61-65..

Notes:

The flower offerings to and merits of worshipping Śiva शिव during respective R̥tu-s ऋतवः.

The Puśpa पुष्प for offering include Kiṁśuka किंशुक during Vasanta वसन्त, Mallikā मल्लिका during Grīṣma ग्रीष्म, Kuṭaja कुटज during Varṣā वर्षा, Pārijāta पारिजात during Śarat शरत्, Mandāra मन्दार during Hemanta हेमन्त, and Karavīra करवीर (Sita सित and/or Rakta रक्त) during Śiśira शिशिर.

Proofread by Ruma Dewan

---

*Pratiritvam Pushpena Shivarchanopadesham*  
pdf was typeset on November 2, 2024

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

